SETH ANANDRAM
JAIPURIA SCHOOL

EMPOWER • ENTHUSE • EXCEL

सृजन 2026

तृतीय जैपुरिया हिंदी उत्सव

“शब्दों से सृजन तक”

जहाँ भाषा बनें अभिव्यक्ति, विचार बनें आवाज़ और प्रतिभा बनें पहचान

आयोजकः **सेठ आनंदराम जैपुरिया समूह के विद्यालय**

आयोजन का अवसरः हिंदी दिवस | आयोजन का माध्यमः **ऑनलाइन** | प्रतिभागिताः **कक्षा 3 से 9 तक एवं कक्षा 11 के विद्यार्थी**

प्रस्तावना

भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं होती ; वह किसी राष्ट्र की चेतना, संस्कृति, स्मृतियों और जीवन-मूल्यों की संवाहिका भी होती है। हिंदी भारत की बहुरंगी संस्कृति को एक सूत्र में बाँधने वाली ऐसी ही समृद्ध और सशक्त भाषा है।

14 सितंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। इस ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उसके प्रति सम्मान और गौरव की भावना जागृत करना तथा नई पीढ़ी को उसके सांस्कृतिक एवं साहित्यिक महत्त्व से परिचित कराना है।

हिंदी दिवस केवल एक वार्षिक उत्सव नहीं, बल्कि अपनी भाषायी विरासत को संरक्षित एवं समृद्ध करने का सामूहिक संकल्प है। हिंदी हमारे विचारों की सहज अभिव्यक्ति, हमारी संवेदनाओं की भाषा और भारतीय आत्मा का जीवंत स्वर है। यह हमारी विविधता, एकता, अखंडता और पारस्परिक सद्भाव का सशक्त प्रतीक भी है।

हिंदी साहित्य अपनी वैचारिक गहराई, कलात्मकता और विविधता के लिए विश्वभर में प्रतिष्ठित है। तुलसीदास, कबीर और सूरदास की भक्तिमय वाणी से लेकर जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', रामधारी सिंह 'दिनकर' और महादेवी वर्मा की काव्य-साधना तक तथा प्रेमचंद, मन्नू भंडारी और कृष्णा सोबती की यथार्थपरक एवं संवेदनशील रचनाओं तक—हिंदी साहित्य की यात्रा अत्यंत गौरवशाली रही है। इन महान साहित्यकारों ने अपनी लेखनी से हिंदी को वैश्विक साहित्यिक पहचान प्रदान करने के साथ-साथ समाज को नई दृष्टि, दिशा और प्रेरणा भी दी है।

विगत वर्ष की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस इस वर्ष भी हिंदी दिवस के अवसर पर अंतर्विद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन 'सृजन—तृतीय' के नाम से कर रहा है। यह आयोजन विद्यार्थियों की साहित्यिक प्रतिभा, मौलिक चिंतन, सृजनात्मक अभिव्यक्ति और भाषायी कौशल को मंच प्रदान करने का सार्थक प्रयास है।

हमें विश्वास है कि 'सृजन—तृतीय' विद्यार्थियों के मन में हिंदी के प्रति प्रेम और सम्मान को और अधिक गहरा करेगा तथा उन्हें अपनी भाषा और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ते हुए नवीन विचारों को अभिव्यक्त करने की प्रेरणा देगा।

आइए, हम सब मिलकर हिंदी की समृद्धि, गरिमा और जीवंतता को बनाए रखने तथा उसे नई पीढ़ियों और नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प लें|

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

गत वर्ष आयोजित अंतर्विद्यालयी प्रतियोगिता 'सृजन' को आपने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और उत्साह से उल्लेखनीय सफलता प्रदान की। इस उपलब्धि का श्रेय हमारे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों, मार्गदर्शक शिक्षकों और सहयोगी विद्यालय प्रबंधन को जाता है।

'सृजन–तृतीय' केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति से जुड़ने तथा अपनी रचनात्मक प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का सशक्त मंच है। हिंदी हमारी अभिव्यक्ति के साथ हमारी सांस्कृतिक पहचान और गौरव भी है। अत : अपनी भाषा के प्रति प्रेम एवं सम्मान बनाए रखें और अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग करें।

मुझे विश्वास है कि इस वर्ष भी आप अपने परिश्रम, लगन और मौलिक प्रतिभा से उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे तथा अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में 'सृजन–तृतीय' को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे।

आप सभी को उज्ज्वल सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ!

सस्नेह

Taaran chawla

तरुण चावला
सीनियर वाईस प्रेसिडेंट–पार्टनर स्कूल
सेठ आनन्दराम जैपुरिया ग्रुप ऑफ स्कूल्स

सृजन परिचय

'सृजन' सेठ आनंदराम जैपुरिया समूह के विद्यालयों द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित किया जाने वाला वार्षिक हिंदी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक उत्सव है।

'सृजन' का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा, साहित्य, कला, संस्कृति एवं समसामयिक विषयों के माध्यम से अपनी **प्रतिभा, कल्पनाशीलता, विचारशीलता और अभिव्यक्ति-कौशल** प्रदर्शित करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करना है।

यह आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मन में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम, सम्मान और गौरव की भावना विकसित करने का एक सार्थक प्रयास है।

सृजन का मूल भाव

• भाषा • भाव • विचार • अभिव्यक्ति • रचनात्मकता

उद्देश्य

'सृजन' के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

1. विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि एवं सम्मान विकसित करना।
2. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य तथा भारतीय भाषायी एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना।
3. विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं कल्पनाशक्ति को प्रोत्साहित करना।
4. मौखिक अभिव्यक्ति, वाचन, अभिनय एवं प्रस्तुति-कौशल का विकास करना।
5. विद्यार्थियों को अपने स्वतंत्र एवं मौलिक विचार प्रस्तुत करने का अवसर देना।
6. हिंदी भाषा को समसामयिक विषयों एवं सामाजिक सरोकारों से जोड़ना।
7. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं सामूहिक भावना विकसित करना।
8. जैपुरिया समूह के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना।

प्रतियोगिता के स्तर

प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों की आयु एवं कक्षा के अनुरूप चार स्तरों पर आयोजित की जाएँगी।

स्तर	कक्षाएँ	प्रतियोगिता का स्वरूप
स्तर 1 – नन्हे सृजनकार	3 एवं 4	कहानी एवं अभिव्यक्ति
स्तर 2 – उभरते सृजनकार	5 एवं 6	काव्य एवं प्रस्तुति
स्तर 3 – युवा सृजनकार	7 एवं 8	रचनात्मक अभिव्यक्ति
स्तर 4 – विचार एवं रंगमंच	9 एवं 11	नुक्कड़ नाटक एवं सामाजिक सरोकार

टिप्पणी: प्रत्येक स्तर की प्रतियोगिता विद्यार्थियों की आयु, भाषा-ज्ञान एवं अभिव्यक्ति क्षमता को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की जाएगी।

स्तर 1 - नन्हे सृजनकार

कक्षा: 3 एवं 4 के विद्यार्थियों के लिए

प्रतियोगिता - "कहानी से कल्पना तक"

इस प्रतियोगिता में विद्यार्थी हिंदी में कहानी सुनाकर अपनी कल्पनाशक्ति, भाषा-कौशल एवं अभिव्यक्ति क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

विषय: विद्यालय निम्नलिखित सामाजिक विषयों में से किसी एक विषय का चयन कर सकता है- मूल्यांकन – 50 अंक

- एक दिन बिना मोबाइल
- मेरी कल्पना का विद्यालय

प्रतियोगिता के नियमः

1. यह व्यक्तिगत प्रतियोगिता होगी।
2. प्रस्तुति हिंदी भाषा में होनी चाहिए।
3. प्रस्तुति की अधिकतम अवधि 3 मिनट होगी।
4. कहानी विद्यार्थी की आयु के अनुरूप एवं शालीन होनी चाहिए।
5. विद्यार्थी आवश्यकतानुसार सीमित एवं उपयुक्त सामग्री अथवा प्रॉप्स का प्रयोग कर सकते हैं।
6. पृष्ठभूमि संगीत का प्रयोग केवल तभी किया जाए, जब वह प्रस्तुति को अधिक प्रभावशाली बनाता हो।
7. कहानी मौलिक अथवा अनुकूलित हो सकती है, परंतु उसकी प्रस्तुति विद्यार्थी की अपनी होनी चाहिए।
8. विद्यार्थी का परिचय अधिकतम 15 सेकंड का होगा।

स्कूल स्तर पर प्रतियोगिता के मापदंड

मापदंड	अंक
भाषा एवं उच्चारण	10
हाव-भाव एवं स्वर-उतार-चढ़ाव	10
रचनात्मकता	10
आत्मविश्वास एवं प्रस्तुति	10
समग्र प्रभाव	10
कुल	50



स्तर 2 - उभरते सृजनकार

कक्षा: 5 एवं 6 के विद्यार्थियों के लिए

प्रतियोगिता - "काव्य मंच"

इस प्रतियोगिता में विद्यार्थी हिंदी कविता का भावपूर्ण एवं प्रभावशाली वाचन करेंगे।
कविता के माध्यम से विद्यार्थियों की भाषा, भावाभिव्यक्ति, उच्चारण एवं प्रस्तुति-कौशल का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय: विद्यालय निम्नलिखित सामाजिक विषयों में से किसी एक विषय का चयन कर सकता है- मूल्यांकन – 50 अंक

- सपने एवं आकांक्षाएँ
- बालमन

प्रतियोगिता के नियमः

1. यह व्यक्तिगत प्रतियोगिता होगी।
2. प्रस्तुति हिंदी भाषा में होगी।
3. प्रस्तुति की अधिकतम अवधि 3 मिनट होगी।
4. कविता किसी प्रसिद्ध कवि की रचना अथवा विद्यार्थी की मौलिक रचना हो सकती है।
5. यदि कविता किसी प्रसिद्ध कवि की है, तो विद्यार्थी को कवि का नाम बताना होगा।
6. वेशभूषा एवं प्रॉप्स का प्रयोग सीमित एवं विषयानुकूल होना चाहिए।
7. कविता का चयन विद्यार्थी की आयु एवं मंच की गरिमा के अनुरूप होना चाहिए।

स्कूल स्तर पर प्रतियोगिता के मापदंड

मापदंड	अंक
उच्चारण एवं भाषा	10
स्वर-उतार-चढ़ाव	10
भावाभिव्यक्ति	10
प्रस्तुति एवं आत्मविश्वास	10
रचनात्मकता एवं समग्र प्रभाव	10
कुल	50

स्तर 3 - युवा सृजनकार

कक्षा: 7 एवं 8 के विद्यार्थियों के लिए

प्रतियोगिता - "शब्दों की उड़ान"

यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के माध्यम से अपने विचारों, कल्पनाओं एवं रचनात्मकता को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करेगी।

प्रतियोगिता के लिए आयोजन समिति निम्नलिखित में से किसी एक प्रारूप का निर्धारण कर सकती है मूल्यांकन – 50 अंक

- लघु भाषण
- संवाद प्रस्तुति

विषय: विद्यालय निम्नलिखित सामाजिक विषयों में से किसी एक विषय का चयन कर सकता है-

- सोशल मीडिया—वरदान या चुनौती?
- जल है तो कल है

प्रतियोगिता के नियमः

1. यह व्यक्तिगत प्रतियोगिता होगी।
2. प्रस्तुति की अधिकतम अवधि 4 मिनट होगी।
3. जहाँ मौलिक रचना अपेक्षित हो, वहाँ प्रस्तुत सामग्री विद्यार्थी की अपनी होनी चाहिए।
4. किसी अन्य स्रोत की सामग्री की बिना अनुमति नकल करने पर प्रविष्टि निरस्त की जा सकती है।
5. भाषा शुद्ध, शालीन एवं विद्यार्थी की आयु के अनुरूप होनी चाहिए।
6. दृश्य सामग्री अथवा प्रॉप्स का प्रयोग केवल आयोजन समिति की अनुमति मिलने पर किया जा सकेगा।

स्कूल स्तर पर प्रतियोगिता के मापदंड

मापदंड	अंक
विषय-वस्तु एवं विचार	10
हिंदी भाषा	10
मौलिकता एवं रचनात्मकता	10
अभिव्यक्ति एवं प्रस्तुति	10
समग्र प्रभाव	10
कुल	50

स्तर 4 - विचार एवं रंगमंच

कक्षा: 9 एवं 11 के विद्यार्थियों के लिए

प्रतियोगिता - "नुक्कड़ नाटक-समाज के नाम संदेश"

कक्षा IX एवं XI के विद्यार्थियों के लिए 'सृजन' का विशेष आकर्षण नुक्कड़ नाटक होगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी रंगमंच के माध्यम से समसामयिक सामाजिक मुद्दों पर विचार करने तथा समाज को एक सार्थक और सकारात्मक संदेश देने का अवसर प्रदान करना है।

विषय: विद्यालय निम्नलिखित सामाजिक विषयों में से किसी एक विषय का चयन कर सकता है- मूल्यांकन – 100 अंक

- सोशल मीडिया की लत
- सड़क सुरक्षा

आयोजन समिति आवश्यकतानुसार किसी विशेष विषय का निर्धारण भी कर सकती है।

प्रतियोगिता के नियमः

1. यह दल प्रतियोगिता होगी।
2. प्रत्येक विद्यालय से अधिकतम एक दल भाग ले सकेगा।
3. एक दल में 6 से 10 विद्यार्थी हो सकते हैं।
4. प्रस्तुति की अधिकतम अवधि 8 से 10 मिनट होगी।
5. नाटक मुख्य रूप से हिंदी भाषा में होना चाहिए।
6. नाटक में किसी स्पष्ट सामाजिक समस्या को प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
7. प्रस्तुति में समस्या के साथ उसके समाधान अथवा सकारात्मक संदेश को भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
8. पटकथा का मौलिक होना वांछनीय है।
9. सीमित एवं विषयानुकूल प्रॉप्स, पोस्टर, प्लेकार्ड तथा वेशभूषा का प्रयोग किया जा सकता है।
10. अत्यधिक रिकॉर्डेड संगीत, वीडियो अथवा कृत्रिम मंच-सज्जा के प्रयोग को प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा।
11. प्रस्तुति में नुक्कड़ नाटक की मूल भावना-ऊर्जा, संवाद, सामूहिकता, प्रत्यक्ष संबोधन एवं सामाजिक संदेश - स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए।

- नुक्कड़ नाटक की अनुशंसित संरचनाप्रभावशाली शुरुआत
- समस्या का परिचय
- समस्या का विकास एवं संघर्ष
- चरम बिंदु
- समाधान एवं सकारात्मक दृष्टिकोण
- शक्तिशाली सामाजिक संदेश

स्कूल स्तर पर प्रतियोगिता के मापदंड

मापदंड	अंक	मापदंड	अंक
विषय-वस्तु एवं सामाजिक प्रासंगिकता	20	आवाज़, ऊर्जा एवं प्रभावशाली प्रस्तुति	10
मौलिकता एवं रचनात्मकता	15	दर्शक सहभागिता	5
हिंदी भाषा एवं संवाद अदायगी	15	संदेश एवं समग्र प्रभाव	10
अभिनय एवं भावाभिव्यक्ति	15	कुल	100
दल का समन्वय	10		

प्रतियोगिता की प्रक्रिया

'**सृजन**' का आयोजन निम्नलिखित चरणों में किया जाएगा—

चरण 1 – विद्यालय स्तर
प्रत्येक विद्यालय अपने स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित करके प्रतिभागियों का चयन करेगा।

चरण 2 – अंतर-विद्यालय ऑनलाइन प्रतियोगिता
विद्यालय स्तर पर चयनित विद्यार्थी अथवा दल निर्धारित नियमों के अनुसार अपनी प्रविष्टियाँ भेजेंगे।

चरण 3 – निर्णयन एवं चयन
प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा।

चरण 4 – अंतिम चरण/भव्य समापन
प्रत्येक श्रेणी से चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागी अथवा दल अंतिम चरण में भाग लेंगे।

नोट: अंतिम चरण के लिए चयनित प्रतिभागियों की संख्या प्राप्त प्रविष्टियों की संख्या एवं आयोजन समिति के निर्णय के आधार पर निर्धारित की जाएगी।

विशेष टिप्पणी

निर्णायकों द्वारा केवल अभिनय अथवा तकनीकी प्रस्तुति का ही मूल्यांकन नहीं किया जाएगा, बल्कि सामाजिक संदेश की स्पष्टता, प्रासंगिकता एवं प्रभावशीलता को भी विशेष महत्त्व दिया जाएगा।

ऑनलाइन प्रविष्टि के नियम

'सृजन' के अंतर्गत सभी निर्धारित प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से ही किया जाएगा, इसलिए सभी विद्यालयों के लिए निम्नलिखित निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

वीडियो संबंधी निर्देश

1. वीडियो सामान्यतः लैंडस्केप मोड में रिकॉर्ड किया जाए।
2. वीडियो में पूरी प्रस्तुति स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए।
3. आवाज़ स्पष्ट एवं श्रव्य होनी चाहिए।
4. रिकॉर्डिंग के दौरान कैमरा स्थिर होना चाहिए।
5. प्रस्तुति की रिकॉर्डिंग यथासंभव एक ही निरंतर टेक में की जाए।
6. प्रदर्शन के दौरान अनावश्यक कट अथवा संपादन नहीं किया जाना चाहिए।
7. वीडियो में केवल पंजीकृत प्रतिभागियों की प्रस्तुति होनी चाहिए।
8. विद्यालय प्रतिभागियों की रिकॉर्डिंग एवं वीडियो प्रस्तुत करने के लिए सभी आवश्यक अनुमतियाँ सुनिश्चित करेगा।

वीडियो का नामकरण

वीडियो का नाम निम्नलिखित प्रारूप में रखा जाए-

उदाहरणः SAJS_Location_Level-4_Class-9_NukkadNatak & Jaipuria_Varanasi_Level-4_Class-9_NukkadNatak

मौलिकता एवं निष्पक्षता

1. विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सामग्री उसकी अपनी तैयारी एवं प्रस्तुति पर आधारित होनी चाहिए।
2. जहाँ मौलिक रचना अपेक्षित है, वहाँ किसी अन्य स्रोत की सामग्री को अपने नाम से प्रस्तुत करना अनुचित माना जाएगा।
3. कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी AI से तैयार सामग्री विद्यार्थी की मौलिक रचनात्मकता का स्थान नहीं ले सकती, विशेषकर उन प्रतियोगिताओं में जहाँ मौलिक लेखन अपेक्षित है।
4. नकल अथवा साहित्यिक चोरी पाए जाने पर प्रविष्टि निरस्त की जा सकती है।
5. किसी भी प्रस्तुति में किसी वयस्क अथवा पेशेवर कलाकार का प्रदर्शन स्वीकार्य नहीं होगा।
6. शिक्षक तैयारी में मार्गदर्शन कर सकते हैं, लेकिन विद्यार्थी की ओर से प्रस्तुति नहीं दे सकते।
7. प्रतियोगिता की निष्पक्षता को प्रभावित करने का कोई भी प्रयास अयोग्यता का कारण बन सकता है।

सामान्य नियम

1. प्रतियोगिता में केवल निर्धारित कक्षाओं के विद्यार्थी ही भाग ले सकते हैं।
2. एक विद्यार्थी केवल एक प्रतियोगिता में भाग ले सकता है, जब तक आयोजन समिति द्वारा अन्यथा निर्देश न दिया जाए।
3. विद्यालय प्रतिभागियों की कक्षा एवं पात्रता का सत्यापन करेगा।
4. निर्धारित समय-सीमा के बाद प्राप्त प्रविष्टियों पर विचार करना आयोजन समिति के विवेक पर निर्भर करेगा।
5. निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।
6. आयोजन समिति को नियमों का पालन न करने वाली प्रविष्टि निरस्त करने का अधिकार होगा।
7. प्रस्तुत सामग्री आयु के अनुरूप, शालीन एवं सामाजिक रूप से जिम्मेदार होनी चाहिए।
8. किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक, भेदभावपूर्ण, धार्मिक विद्वेष उत्पन्न करने वाली अथवा अशोभनीय सामग्री स्वीकार्य नहीं होगी।
9. राजनीतिक प्रचार अथवा किसी व्यक्ति या समुदाय के विरुद्ध आपत्तिजनक प्रस्तुति की अनुमति नहीं होगी।
10. आयोजन समिति आवश्यकतानुसार नियमों में संशोधन कर सकती है।

समय सीमा

प्रतियोगिता के लिए निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन किया जाएगा। समय-सीमा का उल्लंघन होने पर निम्नलिखित अंक काटे जा सकते हैं-

अतिरिक्त समय	दंड
30 सेकंड तक	2 अंक
31 से 60 सेकंड तक	5 अंक
60 सेकंड से अधिक	10 अंक

आयोजन समिति आवश्यकतानुसार इस नियम में संशोधन कर सकती है।

निर्णायक मंडल

प्रतियोगिताओं के लिए हिंदी भाषा एवं साहित्य के विशेषज्ञों, अनुभवी शिक्षकों, साहित्यकारों, रंगमंच विशेषज्ञों तथा अन्य विषय-विशेषज्ञों को निर्णायक मंडल में सम्मिलित किया जा सकता है।

निर्णायक प्रत्येक प्रविष्टि का मूल्यांकन निर्धारित मूल्यांकन-प्रपत्र के आधार पर करेंगे।

समान अंक होने की स्थिति में

प्राथमिकता निम्नलिखित क्रम में दी जाएगी-

1. विषय-वस्तु एवं रचनात्मकता
2. भाषा एवं अभिव्यक्ति
3. समग्र प्रभाव

आवश्यकता पड़ने पर आयोजन समिति टाई-ब्रेकर राउंड आयोजित कर सकती है।

भव्य समापन

भव्य समापन में विभिन्न जैपुरिया विद्यालयों से चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागी एवं दल भाग लेंगे।

संभावित कार्यक्रम क्रम

1. स्वागत एवं उद्घाटन
2. हिंदी दिवस का विशेष परिचय
3. प्रतिभागियों एवं विद्यालयों का परिचय
4. निर्णायक मंडल का परिचय
5. अंतिम प्रस्तुतियाँ
6. निर्णायकों के साथ संवाद
7. विशेष हिंदी साहित्यिक अथवा सांस्कृतिक प्रस्तुति
8. परिणामों की घोषणा
9. पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरण
10. धन्यवाद ज्ञापन

पुरस्कार एवं सम्मान

पुरस्कार वितरण समारोह

1. पुरस्कार वितरण न्यायिक समिति द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर किया जाएगा।
2. प्रत्येक वर्ग में अधिकतम प्राप्तांक के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय प्रतिभागी को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।
3. सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यालय को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।
4. इसके अतिरिक्त न्यायिक समिति द्वारा विशिष्ट पुरस्कार की घोषणा भी की जाएगी।

वर्ग 1	प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
वर्ग 2	प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
वर्ग 3	प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ संस्था पुरस्कार	प्रथम	द्वितीय	तृतीय

विशिष्टपुरस्कार	प्रथम	द्वितीय	तृतीय

प्रमाण पत्र

निम्नलिखित प्रतिभागियों एवं विजेताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएँगे-
प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र डिजिटल माध्यम से प्रदान किए जाएँगे ।

आचार संहिता

'सृजन' हिंदी भाषा एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का उत्सव है। अतः प्रत्येक प्रतिभागी से अपेक्षा की जाती है कि वह निम्नलिखित मूल्यों का पालन करें-

सम्मान । अनुशासन । शालीनता । रचनात्मकता । निष्पक्षता

विद्यार्थियों को साथी प्रतिभागियों, शिक्षकों, निर्णायकों एवं आयोजन समिति के प्रति सम्मानजनक व्यवहार बनाए रखना होगा।

किसी भी प्रकार का अनुचित व्यवहार प्रतिभागी की अयोग्यता का कारण बन सकता है।

विद्यालय समन्वयक/SPOC की जिम्मेदारियाँ

प्रत्येक विद्यालय एक विद्यालय समन्वयक-SPOC नामित करेगा। उनकी प्रमुख जिम्मेदारियाँ निम्नलिखित होंगी-

1. आयोजन समिति एवं विद्यालय के बीच समन्वय स्थापित करना।
2. प्रतिभागियों की सही एवं संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराना।
3. प्रतिभागियों की कक्षा एवं पात्रता सुनिश्चित करना।
4. निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रविष्टियाँ भेजना।
5. वीडियो एवं अन्य सामग्री निर्धारित प्रारूप में भेजना।
6. विद्यार्थियों एवं संबंधित शिक्षकों के साथ समन्वय करना।
7. विद्यालय एवं अभिभावकों से आवश्यक अनुमति सुनिश्चित करना।
8. प्रस्तुत की गई सभी प्रविष्टियों का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखना।

आयोजन समिति के अधिकार

आयोजन समिति को निम्नलिखित अधिकार प्राप्त होंगे—

- प्रतियोगिता के प्रारूप में आवश्यक परिवर्तन करना।
- विषय अथवा थीम में परिवर्तन करना।
- प्रविष्टियाँ जमा करने की अंतिम तिथि में परिवर्तन करना।
- फाइनलिस्ट की संख्या निर्धारित करना।
- नियमों का पालन न करने वाली प्रविष्टियों को निरस्त करना।
- विशेष पुरस्कार निर्धारित करना।
- आवश्यकतानुसार नए प्रतियोगिता प्रारूप जोड़ना।
- प्रतियोगिता से संबंधित किसी भी विवाद पर अंतिम निर्णय लेना।

आयोजन समिति एवं निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रस्तावित आयोजन पहचान
सृजन 2026
“शब्दों से सृजन तक”

आयोजन की प्रस्तावित समय-सारिणी

चरण 1 – विद्यालय स्तरीय चयन सितम्बर 30, 2026 तक।

विद्यालय अपने स्तर पर प्रतिभागियों का चयन करेंगे।

चरण 2 – ऑनलाइन प्रविष्टियाँ अक्टूबर 01, 2026 तक को भेज दी जाएं।

विद्यालय निर्धारित तिथि तक चयनित प्रविष्टियाँ भेजेंगे।

चरण 3 – निर्णयन एवं शॉर्टलिस्टिंग

विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया जाएगा।

चरण 4 – फाइनलिस्ट की घोषणा

हिंदी दिवस के अवसर पर चयनित प्रतिभागियों एवं दलों की घोषणा की जा सकती है।

चरण 5 – भव्य समापन अक्टूबर 10, 2026

चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागी एवं दल अंतिम चरण में भाग लेंगे।

सृजन सम्मान समारोह

समापन संदेश

‘सृजन’ केवल एक प्रतियोगिता नहीं,
बल्कि हिंदी भाषा को नई पीढ़ी के विचारों, कल्पनाओं
और अभिव्यक्तियों से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है।

झलक

2025











SETH ANANDRAM
JAIPURIA SCHOOL
EMPOWER • ENTHUSE • EXCEL

Corporate Office: D-196, D-Block,
Sector-63, Noida (U.P.) 201309
partner@jaipuria.edu.in
www.jaipuriaschools.com